एक अफ़्रीकी लोककथा

सूरज और चाँद आकाश में क्यों रहते हैं?

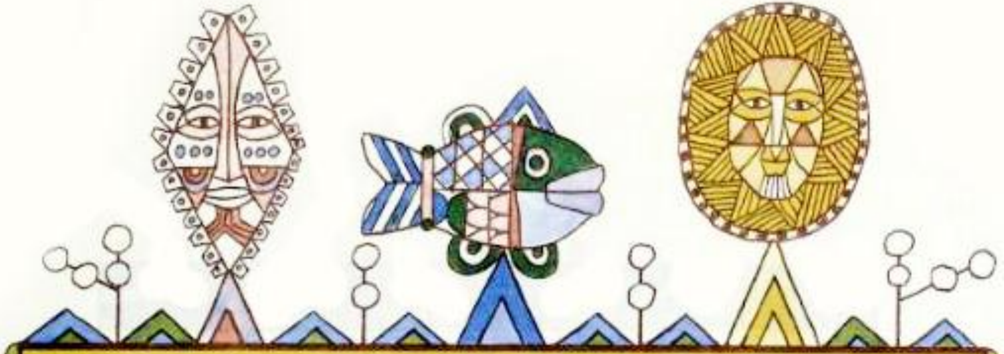

सूरज और चाँद आकाश में क्यों रहते हैं?

सूरज और चाँद आकाश में क्यों रहते हैं?

एक अफ़्रीकी लोककथा

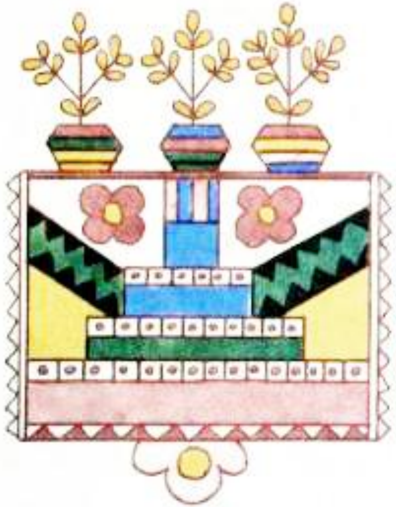

बहुत ज़माने पहले सूरज और पानी पक्के दोस्त थे और दोनों पृथ्वी पर रहते थे. अक्सर सूरज, पानी से मिलने जाता था. पर पानी, सूरज से मिलने कभी नहीं गया. एक दिन सूरज ने पानी से पूछा, कि वो उसके घर कभी क्यों नहीं आता है. पानी ने जवाब में कहा कि सूरज का घर काफी छोटा था, और अगर पानी अपने लोगों ने साथ उसके घर गया तो शायद सूरज को खुद अपने घर से बाहर निकलना पड़े.

पानी ने सूरज से कहा, “अगर तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे घर आऊँ, तो फिर तुम एक बहुत बड़ा घर बनाओ. पर मैं अभी से तुम्हें चेतावनी देता हूँ, कि तुम्हारा घर बहुत बड़ा होना चाहिए क्योंकि मेरा परिवार बहुत बड़ा है और बहुत जगह घेरता है.”

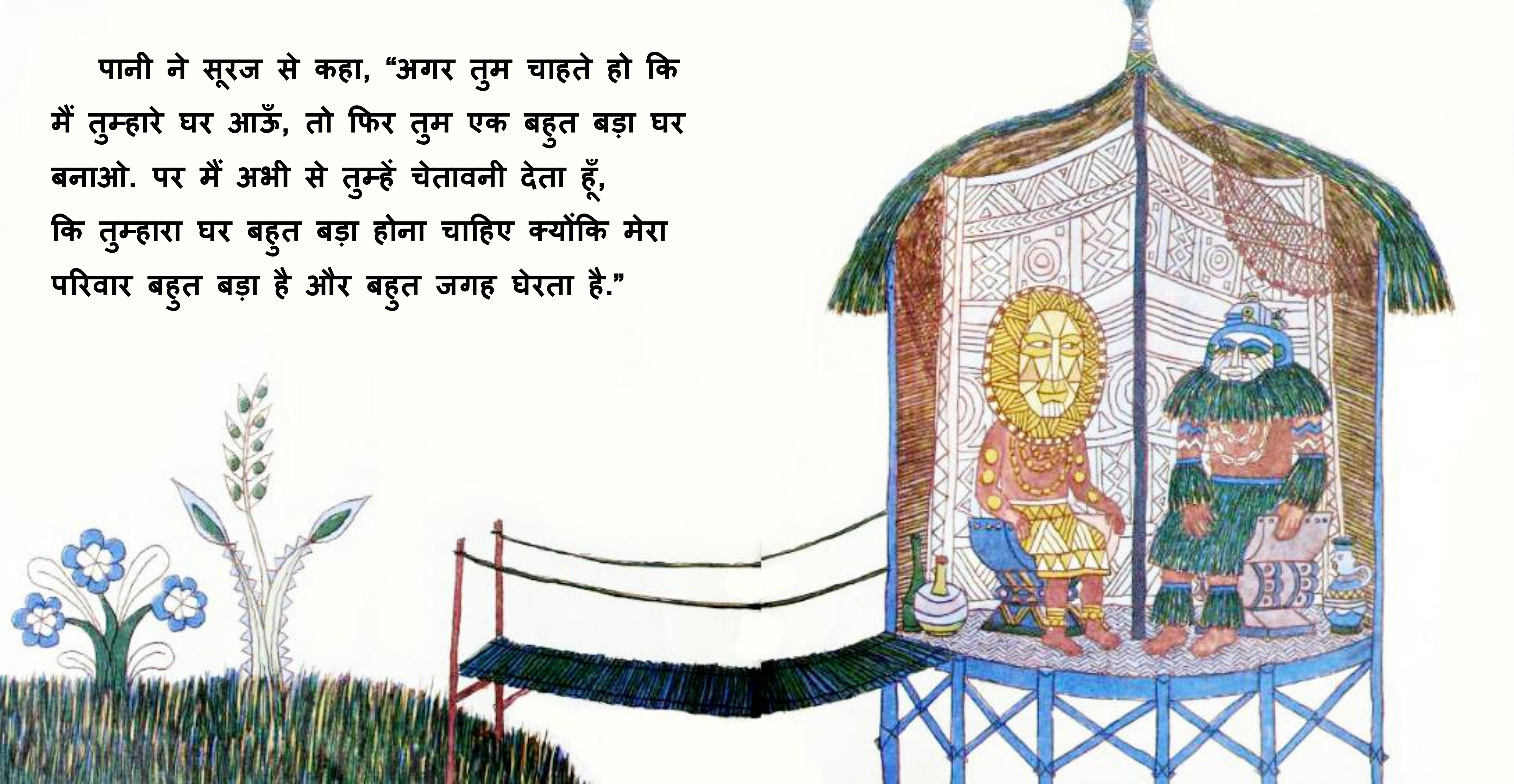

फिर सूरज ने अपने दोस्त से एक बहुत बड़ा घर बनाने का वादा किया. उसके बाद सूरज अपनी पत्नी चाँद के पास वापिस गया. चाँद ने एक बड़ी मुस्कान से साथ अपने पति का स्वागत किया.

सूरज ने चाँद को पूरी कहानी सुनाई. उसने कहा कि वो अपने दोस्त पानी के परिवार के मनोरंजन के लिए एक विशाल घर बनाएगा.

जब घर बन कर तैयार हुआ तो सूरज ने पानी को अपने घर आने का निमंत्रण दिया.

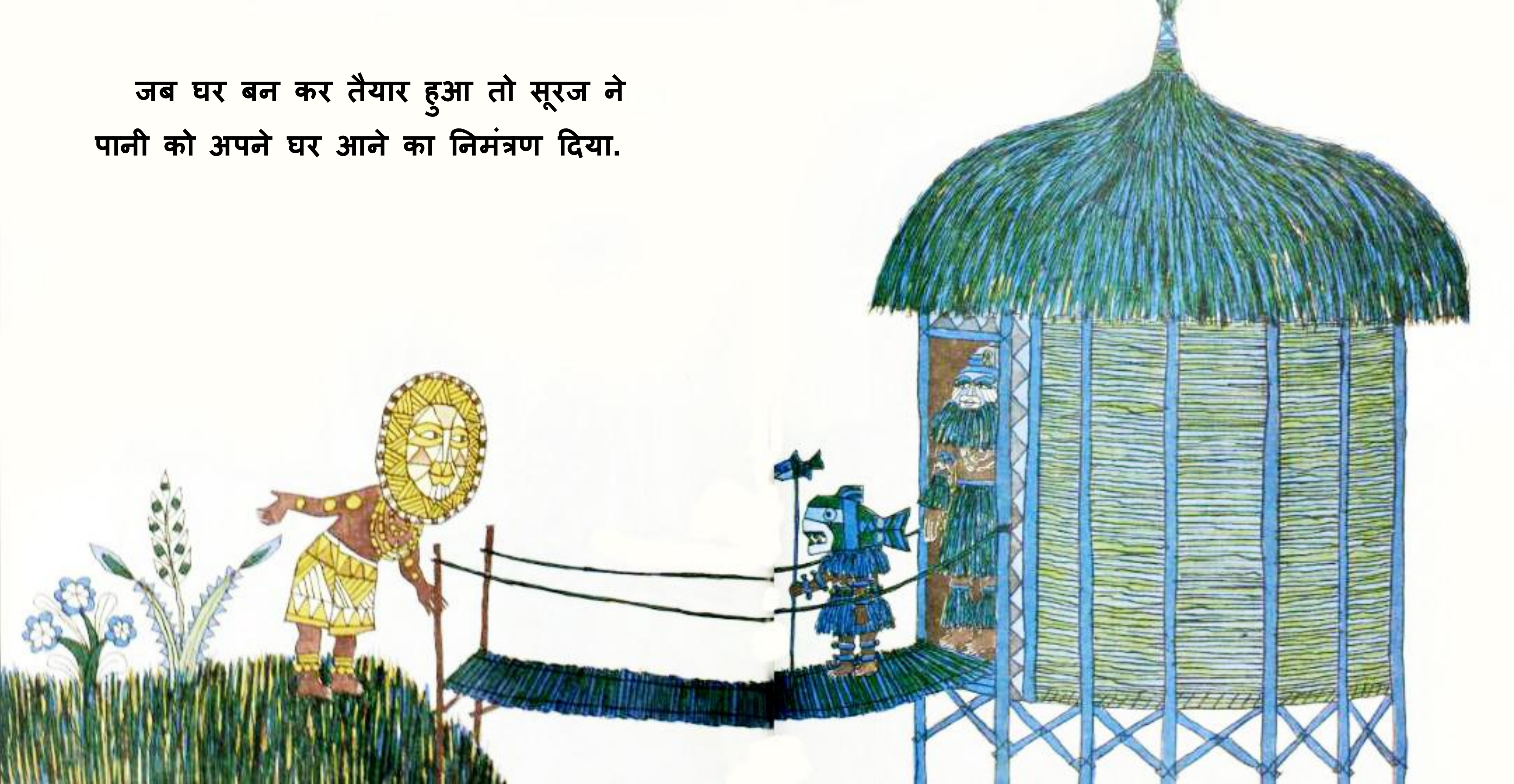

जब पानी अपने लोगों के साथ सूरज के घर पहुंचा तो उनमें से एक ने पूछा, “क्या आपके घर में पानी के लिए घुसना सुरक्षित होगा.”

सूरज ने जवाब दिया, “हाँ बिल्कुल, आप अन्दर पधारें.”

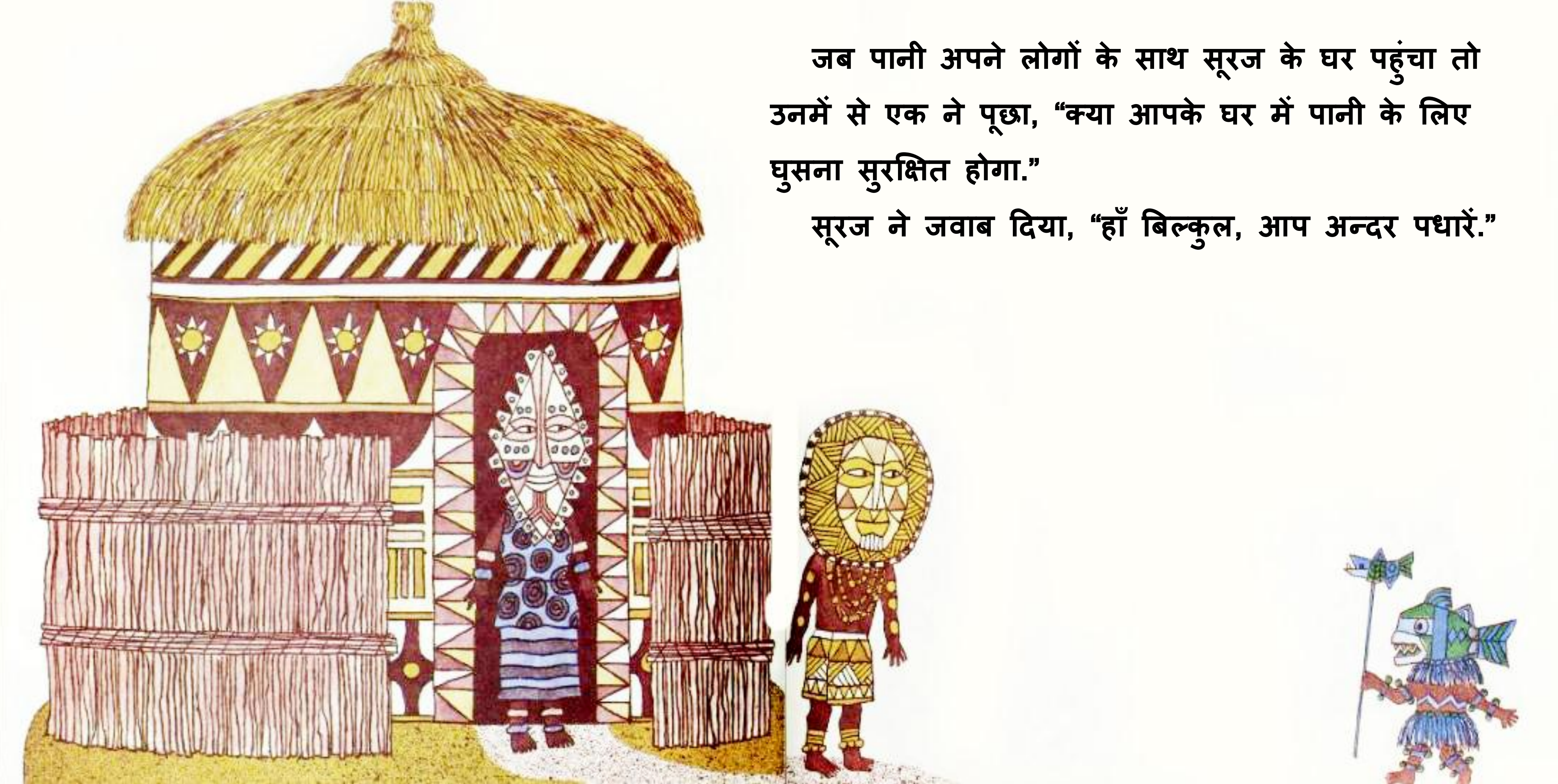

उसके बाद पानी ने बहना शुरू किया. पानी के साथ-साथ मछलियाँ और अन्य समुद्री प्राणी भी घर में आए.

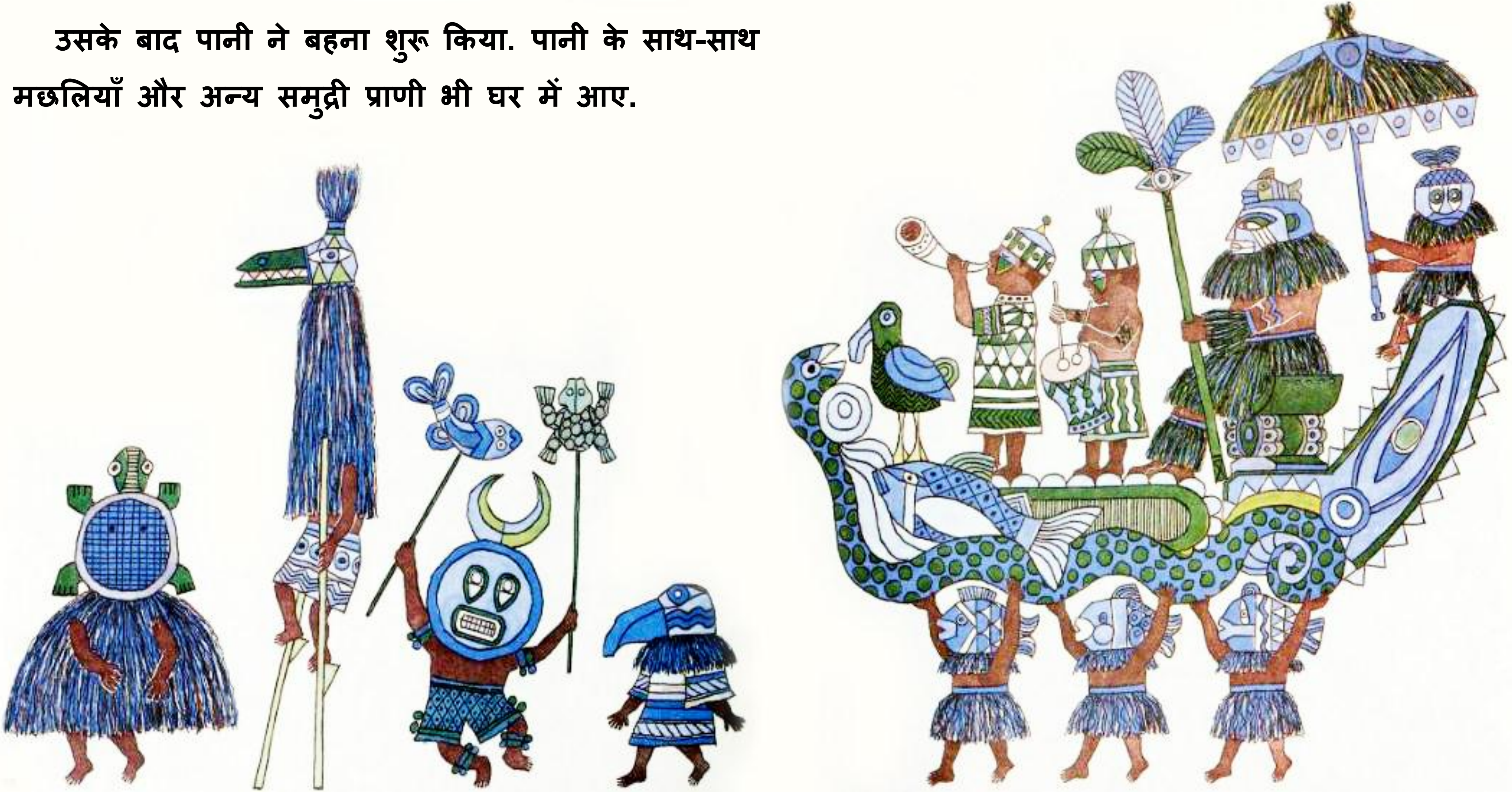

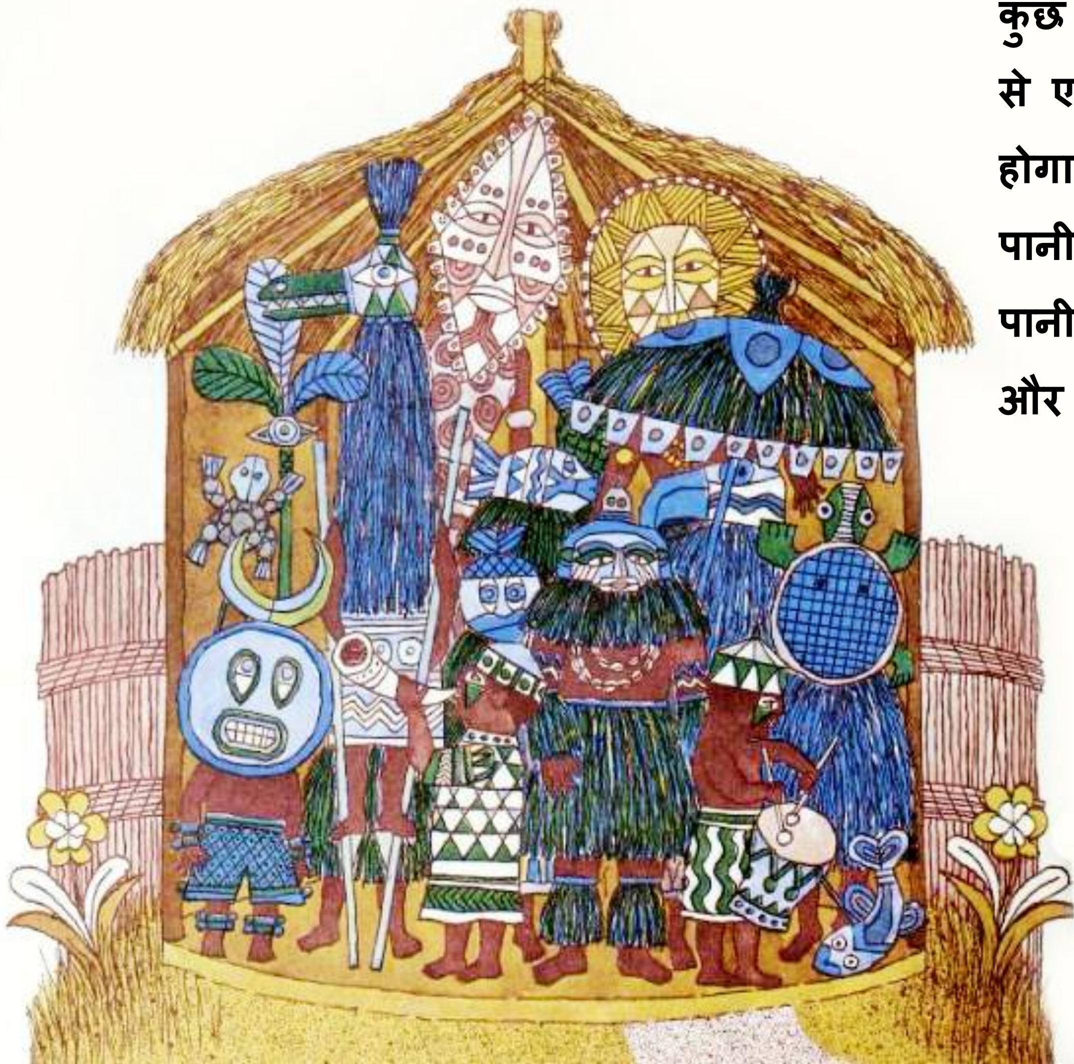

कुछ देर में पानी घुटनों तक आ गया. इसलिए पानी ने सूरज से एक बार फिर पूछा कि क्या उसके घर में आना सुरक्षित होगा. “हाँ, बिल्कुल,” सूरज ने कहा. फिर उसके घर में और पानी घुसा. जब पानी एक आदमी के सिर तक पहुंचा तब पानी ने सूरज से फिर पूछा, “क्या तुम चाहते हो कि मेरे कुछ और लोग घर में आयें?”

सूरज और उसकी पत्नी चाँद ने मिलकर उत्तर दिया, “ज़रूर, आपका स्वागत है.” उसके बाद पानी, सूरज के घर में बहता रहा और बहता रहा. अंत में सूरज और चाँद को घर की छत पर जाकर बैठना पड़ा.

हर बार पानी, सूरज से वही प्रश्न करता और उसे वही पुराना उत्तर मिलता. इसलिए सूरज के घर में और पानी बहता रहा, घुसता रहा.

कुछ देर में पानी, सूरज के घर की छत के ऊपर बहने लगा. फिर सूरज और चाँद को मजबूरन ऊपर आसमान में जाना पड़ा. और तब से वे वहीं आसमान में हैं.

अंत

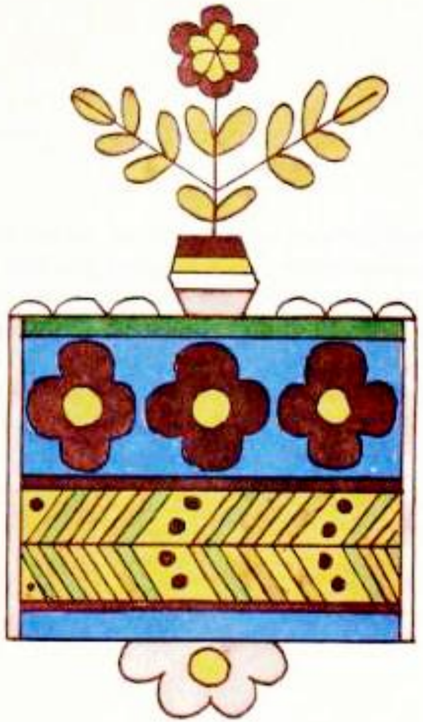

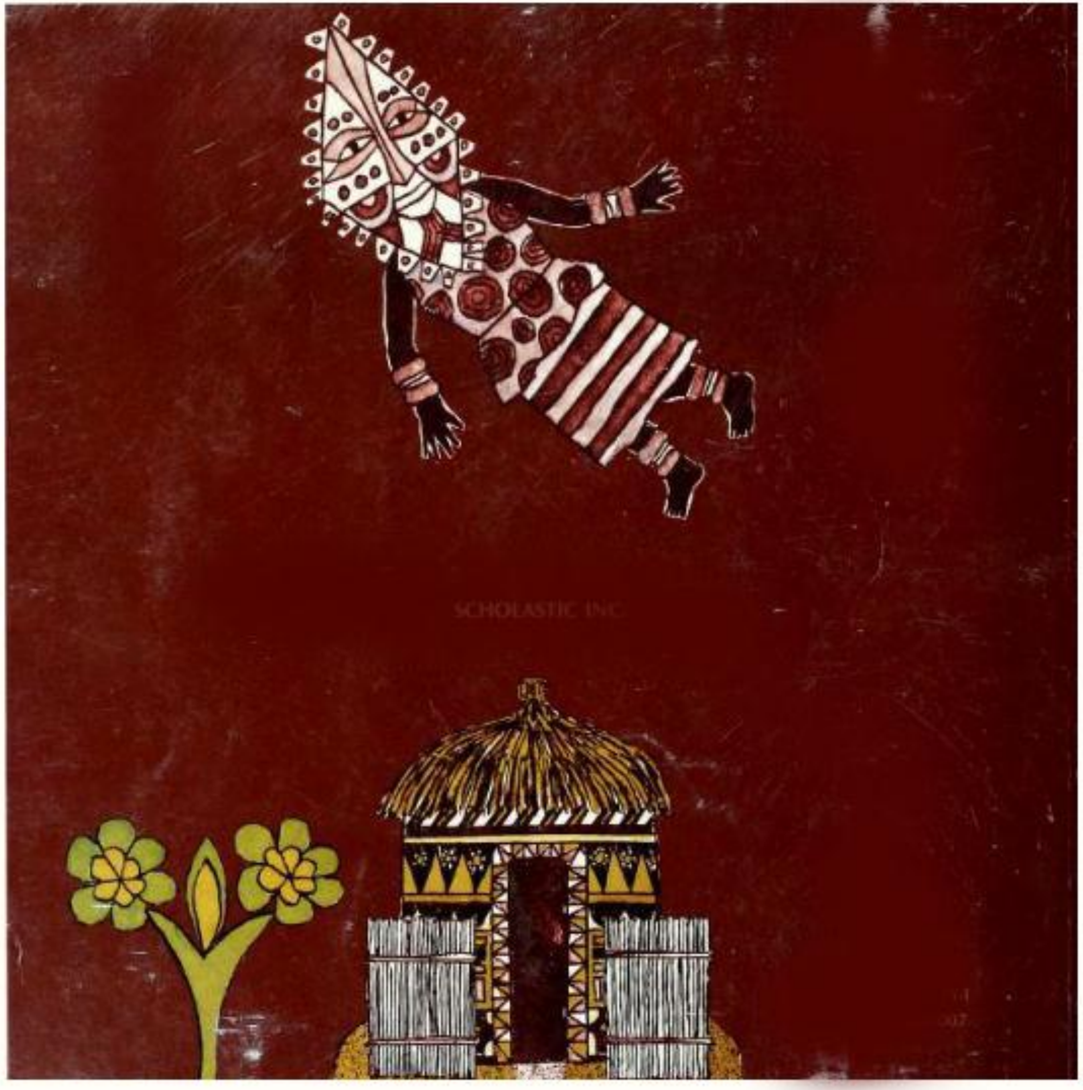
SCHOLASTIC INC.